



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २७ नई विल्सो, मनिवार, जुलाई ४, १९८७ (आषाढ़ १३, १९०९)
No. 27 NEW DELHI, SATURDAY, JULY 4, 1987 (ASADHA 13, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ

| | |
|---|-----|
| भाग I—खण्ड १—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा प्रावेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं | 503 |
| भाग I—खण्ड २—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रविधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों प्रावित के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं | 761 |
| भाग I—खण्ड ३—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और अधिकारियों आवेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं | 7 |
| भाग I—खण्ड ४—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों, प्रावित के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं | 907 |
| भाग II—खण्ड १—प्रधिनियम, व्यायावेश और विनियम | * |
| भाग II—खण्ड १—क—प्रधिनियमों, व्यायावेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राविकृत पाठ | * |
| भाग II—खण्ड २—विवेक तथा विवेयों पर प्रबन्ध समितियों के बिन तथा स्प्रिट | * |
| भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राविधिकरणों (संघ शासित लोकों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए नामान्य नाविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियों आदि भी शामिल हैं) | * |
| भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राविधिकरणों (संघ शासित लोकों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए नामान्य नाविधिक आदेश और अधिसूचनाएं | * |

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

| | |
|--|-------|
| भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राविधिकरणों (संघ शासित लोकों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य साविधिक नियमों और साविधिक प्रावेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियों भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राविकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड ३ या खण्ड ४ में प्रकाशित होते हैं) | पृष्ठ |
| भाग II—खण्ड ४—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए साविधिक नियम और प्रावेश | * |
| भाग III—खण्ड १—उच्च व्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं | 6289 |
| भाग III—खण्ड २—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और हिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस | 703 |
| भाग III—खण्ड ३—मूल्य व्यापकों के प्राविकृत के अधीन प्रवेश द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं | — |
| भाग III—खण्ड ४—विविध प्रविधिक व्यापकों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, प्रावेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं | 2725 |
| भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस | 93 |
| भाग V—संग्रही और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के यांकड़ों का विज्ञान गता भव्यपूरक | * |

CONTENTS

PAGE

PAGE

| | | | |
|--|-----|---|------|
| PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. | 503 | PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories) | 503 |
| PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court | 761 | PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence | 761 |
| PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence | 7 | PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India | 907 |
| PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence | * | PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs | 6289 |
| PART II—SECTION I—Acts, Ordinances and Regulations | * | PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners | 703 |
| PART II—SECTION I-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations | * | PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies | 2725 |
| PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills | * | PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies | 93 |
| PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) | * | PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi .. | — |
| PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) | * | | |

*Folio Nos. not received.

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

लोक सभा सचिवालय

(एस० सी० टी० सी० ग्रांच)

नई दिल्ली—110001, दिनांक 26 मई 1987

सं० 3/1/एस० सी० टी० सी०/87—लोक सभा और राज्य सभा के निम्नलिखित सदस्यों को 1 मई, 1987 से 30 अप्रैल, 1988 तक की अवधि के लिये अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण सम्बन्धी समिति के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिये चुना गया है:—

सदस्य लोक सभा

1. श्री मनोरंजन भक्त
2. श्री बीरबल
3. श्री सोमजीभाई डामर
4. श्री गंगा राम
5. श्री माणिकराव होडिल्य गावित
6. श्री मोरिस कुजूर
7. श्री कुंवर राम
8. श्री लक्ष्मण मलिक
9. श्री सत्यगोपाल मिश्र
10. श्री अरविन्द नेताम
11. श्री राम प्यारे पनिका
12. श्री पी० बल्लभ पेस्मन
13. श्री कें० एन० प्रधान
14. श्री राम रत्न राम
15. डा० जी० विजय रामाराव
16. श्री अंजित कुमार साहा
17. श्री डी० बी० शिंगडा
18. श्री राम मिह
19. श्री राम वहादुर मिह
20. श्री राम प्यारे सुमन

सदस्य राज्य सभा

21. श्रीनंदी ओमेन मोर्योमदेवर्णी
22. डा० फोगुनी राम
23. श्री गमनारायण गोव्याभी
24. श्री एच० अनुमनथप्पा
25. श्री राधाकृष्ण मालवीय

26. श्री मुरासोली मरेण

27. श्री धर्म चन्द्र प्रशांत

28. श्री यिनशीवनम के० राममूर्ति

29. श्री सुखदेव प्रसाद

30. श्री सूरज प्रसाद

2. अध्यक्ष महोदय ने श्री राम रत्न राम को अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण सम्बन्धी समिति (1987-88) का सभापति नियुक्त किया है।

एन० एन० मेहरा, संयुक्त सचिव

सरकारी उपक्रमों सम्बन्धी शाखा

नई दिल्ली—110001, दिनांक 1 जून 1987

मं० 4/1-पी० यू०/87—लोक सभा और राज्य सभा के निम्नलिखित सदस्यों को 1 मई, 1987 से आरम्भ होने वाली तथा 30 अप्रैल 1988 को समाप्त होने वाली अवधि के लिये मराठाई उपक्रमों सम्बन्धी समिति के सदस्यों के रूप में सेवा करने के लिये विधिवत स्थान में निर्वाचित किया गया है:—

लोक सभा के सदस्य

1. श्री आनन्द गगारिन गाजू
2. श्री कें० पी० मिठू देव
3. श्री दिंकर गोव्याभी
4. श्रीमती प्रभावती गुरुना
5. प्रो० पी० जे० कुरिधन
6. श्रीमती गीता मुखर्जी
7. श्री दामोदर पाण्डेय
8. श्री केशव राव पारवी
- *9. श्री बक्रम पुरुषोत्तमन
10. श्री कें० एच० रंगनाथ
11. श्री हरीश रावत
12. श्री ए० सी० पण्डुव्य
13. श्री लाल विजय प्रताप मिह

*प्रो० निर्मला कुप्राणी शाक्तावत, जिन्होंने समिति में त्यागपत्र दे दिया था के स्थान पर 7 मई, 1987 से निर्वाचित।

14. प्रो० सैफुद्दीन सोज
15. श्री जैनुल बशार
- राज्य सभा के मदस्य
16. श्री जमेश देसाई
17. श्री वालमपुरी जान
18. श्री कृष्णानन्द जोशी
19. श्री रामनरेश कुण्डलाला
20. श्री चिमन भाई मेहता
21. श्रीमती रतन कुमारी
22. श्री शंकर मिह वाधेला

अध्यक्ष महोदय ने श्री वक्तव्य पुस्तकोत्तमन को समिति का सभापति नियुक्त किया है।

प्रार० डी० शर्मा
मुख्य विनीय समिति अधिकारी

मंत्रिमण्डल सचिवालय

नई विली, दिनांक 12 जून 1987

मंकल्प

विषय:—श्रेष्ठ सुचालकता अनुसन्धान का मंचन और देश में उमसा अनुप्रयोग।

सं० 84/1/2/87-मंत्रि—विश्वूत का पर्याप्त उत्पादन और संचरण पूर्णतया चालकों के विनिर्माण और हक्कें प्रयोग पर निर्भर करता है। इनकानिकी पूर्णतया उनकों पर निर्भर होती है जो विश्वूत प्रवाह को संचारित रहे अथवा उसमें वाधा उत्पन्न करते हैं। यदि ऐसी सामग्री प्राप्त हो सके या तैयार की जा सके जिसमें उमसा विश्वूत प्रतिरोध समाप्त हो जाये तो दूरगामी आर्थिक परिणामों सहित एक पूरे तर्फे उद्योग की मंभावना हो सकती है। श्रेष्ठ, सुचालकता वह भावित परिधिटना है जिसमें सामग्री का निश्चित तापमान से नीचे डण्डा होने पर जिसे सुपुर्ग कण्डकिंग क्रिटिकल टैम्परेचर कहते हैं, अपना विश्वूत प्रतिरोध समाप्त हो जाता है। भारत में उच्च टी० सी० आक्साइड सामग्री का विकास विभिन्न स्थानों पर किया गया है। मूल्तिहा शिल्प (सिरामिका) जो कि मुख्य पदार्थ होता है, का परीक्षण अन्य समान गैर सुपर कण्डकिंग मूल्तिका पदार्थों पर किया जा रहा है। तथापि निम्नलिखित का जिनमें सनत उच्च गुणवत्ता, गिरण संस्थान पर आधारित मॉलिक अनुसन्धान समितिनि है, को करने की आवश्यकता है:—

- (i) इन उच्च गुणवत्ताशील मूल्तिका पदार्थों का पर्याप्त मात्रा में संश्लेषण।
- (ii) उपर्युक्त तरनीकों का प्रयोग करने हुए इन पदार्थों में केवल, तार और टेप बनाना और अन्य तरनीकों का विकास करना।

(iii) विभिन्न प्रकार की विश्वूत मशीनों में प्रयोग करने के लिए प्रोटोटाइप विश्वूत चुम्बकों का निर्माण करना।

(iv) इलेक्ट्रानिकी में विविध अनुप्रयोगों के लिये श्रेष्ठ सुचालकता यंत्र बनाना।

2. जिस कार्य को करने को आवश्यकता है, वह विष्य प्रकृति का है। अतः प्रधान मंत्री महोदय की स्वीकृति में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान उभरते हुए क्षेत्र के प्रति राजनीतिक वचनवद्धता पर बल देने हुए श्रेष्ठ सुचालकता अनुसन्धान और देश में इसके अनुप्रयोग को प्रत्याहृत देने के लिये एक शीर्षस्थ निकाय का गठन करने का निर्णय लिया गया है। इस शीर्षस्थ निकाय के विचारार्थ विष्य निम्नलिखित होंगे—

- (i) आवश्यकता बजट व्यवस्था करना।
- (ii) परामर्श दानाओं, विजिटिंग वैज्ञानिकों के रूप में देश में और देश के बाहर दोनों से व्यक्तियों की सेवायें प्राप्त करने के लिये सभी पर उठाना तथा देश में उनके कार्यों को सुमाध्य बनाना।
- (iii) सभी प्रकार का सामान और सेवायें प्राप्त करना जिसमें विस्तृत लिखा-पढ़ी, परमिटों और लाइसेंसों के बगैर आयात शामिल है।
- (iv) मिविल कार्य करना जिनमें वास्तुशिल्पी डिजाइन आदि शामिल हैं।

3. शीर्षस्थ निकाय उपर्युक्त कार्यों में से कोई भी कार्य कार्यक्रम प्रवर्त्त्य बोर्ड जिसका गठन अलग से किया जा रहा है, को सीप सकेगा।

4. शीर्षस्थ निकाय में निम्नलिखित होंगे:—

- (1) प्रधान मंत्री
- (2) भाज्व समाधन विकास मर्ता
- (3) वित्त मंत्री
- (4) राज्य मंत्री (विज्ञान और प्रौद्योगिकी)
- (5) प्रधान मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार
- (6) अध्यक्ष, प्रधान मंत्री की वैज्ञानिक सलाहकार समिति
- (7) अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
- (8) मंत्रिमण्डल सचिव
- (9) वित्त सचिव
- (10) सम्बन्धित ऐसी के प्रमुख (डी ए ई, रक्षा अनुसन्धान और विकास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, डी एस आई आर, डी ओ ई)
- (11) निदेशक, बी ए आर सी
- (12) दो प्रतिष्ठित वैज्ञानिक
- (13) दो प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकीविद उद्योगपति
- (14) सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग—
सदस्य सचिव

5. शीर्षस्थ निकाय को सहायता विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग देगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस मंकल्प की प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों और सभी राज्य सरकारों संघ राज्य क्षेत्रों को प्रेषित की जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि मंकल्प को आम जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

संकल्प

विषय:—थ्रेट सुचालकता अनुसन्धान का संबर्द्धन और देश में उभका अनुप्रयोग।

सं० 84/1/2/87—मन्त्रि (i)—विद्युत का पर्याप्त उत्पादन और संचरण पूर्णतया चालकों के विनियोग और इनके प्रयोग पर निर्भर करता है। इलैक्ट्रोनिकी पूर्णतया उन यंत्रों पर निर्भर होती है जो विद्युत प्रवाह को मंचारित करते हैं अथवा उनमें बाधा उत्पन्न करते हैं। यदि ऐसी सामग्री प्राप्त हो सके या तैयार की जा सके जिससे उसका विद्युत प्रतिरोध समाप्त हो जाये तो दूरगमी आर्थिक परिणामों सहित एक पूरे नये उद्योग की संभावना हो सकती है। थ्रेट सुचालकता वह भौतिक परिघटना है जिसमें सामग्री का, निश्चित तापमान से नीचे ठंडा होने पर जिसमें सुपर कण्डविटग किटिकल टेम्परेचर करते हैं, अपना विद्युत प्रतिरोध समाप्त हो जाता है, भारत में उच्च टी० सी० आरप्राइड सामग्री का विकास विभिन्न स्थानों पर किया गया है। मृतिका शिल्प (सिरामिक) जो कि मुख्य पदार्थ होता है, का परीक्षण अन्य समान गैर सुपर कण्डविटग मृतिका पदार्थों पर किया जा रहा है। तथापि निम्नलिखित कार्य जिनमें सतत उच्च गुणवत्ता, शिक्षण संस्थान पर आधारित मौलिक अनुसन्धान सम्मिलित हैं, को करने की आवश्यकता है:—

- इन उच्च गुणवत्ताशील मृतिका पदार्थों का पर्याप्त बाता में संश्लेषण।
- उपर्युक्त तकनीकों का प्रयोग करते हुए इन पदार्थों से केबिल, तार और टेप बनाना और अन्य तकनीकों का विकास करना।
- विभिन्न प्रकार की विद्युत मशीनों में प्रयोग करने के लिये प्रोटोटाइप विद्युत चुम्बकों का नियोग करना।
- इलैक्ट्रोनिकी में विविध अनुप्रयोगों के लिये थ्रेट सुचालकता यंत्र बनाना।

2. जिस कार्य को करने की आवश्यकता है वह विषम प्रकृति का है। अतः प्रधान मंत्री महोदय की स्वीकृति से एक शीर्षस्थ निकाय का गठन करने का निर्णय लिया गया है जिसके ममन्त्र में आदेश अलग से निर्गत किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री महोदय की स्वीकृति से यह

निर्णय भी किया गया है कि एक कार्यक्रम प्रबन्ध बोर्ड होगा जिसमें निम्नलिखित होंगे—

- (1) अध्यक्ष, प्रधान मंत्री की वैज्ञानिक सलाहकार समिति
- (2) वित्त सचिव
- (3) दो प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, शीर्षस्थ निकाय के सदस्य
- (4) ममन्त्रित एजेन्सी प्रमुख जैसे कि शीर्षस्थ निकाय में हैं।
- (5) सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

सदस्य सचिव

3. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग सचिवालय और समन्वय सम्बन्धी संवादों प्रदान करेगा।

4. बोर्ड को ऐसी कार्यकारी एवं विसीय शक्तियां प्राप्त होंगी जो कि देश के अनेक वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय और इंजीनियरी संस्थानों द्वारा अनुसन्धान, विकास, इंजीनियरी के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिये आवश्यक होती है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों और सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों को प्रेषित की जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को आम जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

आर० गजामणि, अवर सचिव

योजना आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1987

संकल्प

सं० ओ०-15011/1/82—एम० ई० आर०—योजना आयोग के दिनांक 18 दिसम्बर, 1985 के संकल्प सं० ओ०-15011/1/82—एम० ई० आर० तथा दिनांक 22 जनवरी, 1987 के समसंबंधी संकल्प के तहत बाद के संशोधन को कृपया देखें:—

2. “समिति का गठन” अब इस प्रकार होगा।

गठन

अध्यक्ष

1. प्रो० एम० चक्रवर्ती, योजना आयोग

सदस्य

2. डा० राजा जै० चलैया, सदस्य, योजना आयोग

3. डा० वाई० जे० अलेंग, सदस्य, योजना आयोग।

4. डा० सी० एच० हनुमंतराव, आर्थिक संवृद्धि संस्थान, दिल्ली।

5. डा० ए० एम० खुमरो, अध्यक्ष, राष्ट्रीय लोक वित्त तथा नीति संस्थान, विशेष संस्था क्षेत्र, नई दिल्ली-110067

6. डा० सी० रंगा राजन, डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई।

7. डा० के० कृष्णमूर्ति, अधिक संवृद्धि संस्थान, विश्वविद्यालय, एन्कलेव, दिल्ली-7।

8. प्रो० इकबाल नागर्यण, सदस्य मन्त्री, भारतीय रामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद, 35, फिरोज शाह रोड, नई दिल्ली।

9. डा० प० बागची, निदेशक, राष्ट्रीय लोक विन तथा नीति संस्थान विषेष संस्था थेट्र, नई दिल्ली-110067

10. प्रो० प० वैद्यनाथन, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, अद्यार, मद्रास-600020।

11. डा० प्रबीन विजयनाथ, निदेशक, गुजरात क्षेत्र योजना संस्थान, प्रीतम राज मार्ग, अहमदाबाद-380006।

12. प्रो० योगेन्द्र चौहान, रामाजिक प्रणाली अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067

13. प्रो० विकटर प० डी० सोंजा, नेशनल फैलो, भारतीय सामाजिक विज्ञान, अनुसन्धान परिषद (पता : 7 अमेनिया अपार्टमेंट्स, माउण्ट कार्मल रोड, बाल्द्रा, बम्बई-400050।

14. श्री नितिन देशाई, विषेष मन्त्री, योजना आयोग।

15. डा० पी० मी० जोशी, गलाहकार (अन्तर्राष्ट्रीय अर्थगत्या) योजना आयोग।

16. डा० (श्रीमती) आर० थामाराजकी, गलाहकार (श्रम, रोजगार तथा जनशक्ति), योजना आयोग।

17. डा० प० आर० हशीम, परामर्शदाता, (भावी योजना), योजना आयोग।

18. डा० प० डी० मुखर्जी, गलाहकार (विनीय संस्थान) योजना आयोग।

19. श्री एम० के० गोविल, बी-7/1, एम० एम० फ्लैट्स, सेक्टर-13, आर० के० पुरम, नई दिल्ली।

सदस्य मन्त्री

20. डा० बी० जी० भाटिया, गलाहकार (विकास नीति), योजना आयोग।

3. संकल्प के पैरा 4 को अब इस प्रकार पढ़ा जाये:—

“4. समिति के गैर प्रकारी सदस्य हवाई यात्रा के अधिकारी होंगे। वे इस समिति की बैठकों में भाग लेने के लिये भारत सरकार के ग्रेड-1 अधिकारियों को स्वीकार्य दैनिक भत्ता पाने के अधिकारी होंगे जिनका भुगतान भी योजना आयोग द्वारा किया जायेगा।”

4. शेष संकल्प में कोई परिवर्तन नहीं है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधित अधिकारियों को भेजी जाये और इसे आम सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

ज० च० झंगवाल,
निदेशक (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1987

संकल्प

मं० ई-11011/10/75-हिन्दी (वा० 2) —वाणिज्य मंत्रालय के स्वरूप में परिवर्तन होने के फलस्वरूप, वाणिज्य मंत्रालय के दिनांक 22 जुलाई, 1985 के समसंबंधित संकल्प का अधिकमण करते हुए वाणिज्य मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन किया जाता है। इसका गठन आविष्कार प्रकार होगा:—

| | |
|--|-----------|
| 1. वाणिज्य मंत्री | अध्यक्ष |
| 2. वाणिज्य राज्य मंत्री | उपाध्यक्ष |
| संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य | |
| 3. श्री बी० तुलसीराम, संसद सदस्य | सदस्य |
| 4. श्री रत्नाकर पाण्डे, संसद सदस्य | सदस्य |
| संसद सदस्य | |
| 5. श्री अर्जीत चौहानी, संसद सदस्य | सदस्य |
| 6. प्रो० पी० जे० कुरियन, संसद सदस्य | सदस्य |
| 7. श्रीमती कृष्णा कौल, संसद सदस्य | सदस्य |
| 8. श्री राम नरेण कुशायाहा, संसद सदस्य अन्य गैर गरकारी सदस्य हिन्दी विद्वान | सदस्य |
| 9. श्री रत्य नारायण गुप्त, विंग कोठी रोड, हैदराबाद। | सदस्य |
| 10. श्री बी० र० जगन्नाथ, प्रोफेसर तथा केन्द्र प्रभारी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, हैदराबाद। | सदस्य |
| 11. श्री एम० सुब्रह्मण्यम, प्रधान, केन्द्रीय संचिवालय हिन्दी परिषद, नई दिल्ली। | सदस्य |
| 12. श्री ए० एन० मुद्रगल, संस्पादक, सारिका, टाइप्स आफ इण्डिया, नई दिल्ली। | सदस्य |
| 13. कु० कुसुमलता मित्तल, भूतपूर्व मन्त्री, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली। अधिकारी गण (राजभाषा विभाग) | राज्य |

| | |
|---|------------|
| 14. सचिव, राजभाषा विभाग | सदस्य |
| तथा भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार | |
| 15. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग | सदस्य |
| प्रधिकारीगण वाणिज्य मंत्रालय | |
| 16. वाणिज्य सचिव | सदस्य |
| 17. मुख्य नियंत्रक, आयात तथा निर्यात | सदस्य |
| 18. वाणिज्यिक जानकारी तथा धंकसंकलन के | |
| महानिदेशक, कलकत्ता । | |
| 19. अध्यक्ष, राज्य व्यापार निगम, नई दिल्ली | सदस्य |
| 20. अध्यक्ष, खनिज तथा धातु व्यापार निगम, | |
| नई दिल्ली । | |
| 21. निदेशक, निर्यात निरीक्षण परिषद, नई दिल्ली | सदस्य |
| 22. अध्यक्ष, भारतीय व्यापार भेला प्राधिकरण, | |
| नई दिल्ली । | |
| 23. कार्यकारी निदेशक, व्यापार विकास प्राधि- | |
| करण, नई दिल्ली | सदस्य |
| 24. महानिदेशक, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान | |
| नई दिल्ली । | |
| 25. अध्यक्ष आय बोर्ड, कलकत्ता | सदस्य |
| 26. अध्यक्ष, काफी बोर्ड, अंगलौर | सदस्य |
| 27. अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक, | |
| निर्यात ऋण व गारण्टी निगम, अम्बई | |
| 28. विकास आयुक्त, काण्डला भुक्त व्यापार जोन, | |
| गांधीधाम । | सदस्य |
| 29. विकास आयुक्त, मान्ताकुज छलैकट्टानिकम्, | |
| निर्यात संसाधन जोन, अम्बई । | सदस्य |
| 30. अध्यक्ष, भारतीय पैकेजिंग संस्थान, अम्बई | सदस्य |
| 31. अध्यक्ष तम्बाकू बोर्ड, गुन्दूर | सदस्य |
| 32. अध्यक्ष, इलाथर्थी बोर्ड, कोचीन । | सदस्य |
| 33. अध्यक्ष, रवड बोर्ड, कोट्टायम । | सदस्य |
| 34. अध्यक्ष, समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधि- | |
| करण, कोचीन । | |
| 35. अपर सचिव (पूर्ति) | सदस्य |
| 36. संयुक्त सचिव (पूर्ति) | सदस्य |
| 37. वित्तीय सलाहकार (पूर्ति) | सदस्य |
| 38. महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) | सदस्य |
| 39. मुख्य नेत्रा नियंत्रक (पूर्ति विभाग) | सदस्य |
| 40. महानिदेशक (राष्ट्रीय परीक्षणशाला), | |
| कलकत्ता | सदस्य |
| 41. अपर महानिदेशक (निरीक्षण), पूर्ति तथा | |
| निपटान महानिदेशालय | सदस्य |
| 42. संयुक्त सचिव (प्रभारी हिन्दी कार्य), वाणिज्य | |
| मंत्रालय | सदस्य-सचिव |

कार्य :

2. इस समिति का कार्य, सरकारी कार्यों में हिन्दी के प्रशासी प्रयोग से सम्बन्धित मामलों में मंत्रालय को सलाह देना होगा ।

कार्य अवधि

3. समिति का कार्यकाल, निम्नलिखित व्यवस्था के माध्यम से उसके गठन की तारीख से तीन वर्ष का होगा ।

(1) समिति में नामजद संसद सदस्य जैसे ही संसद सदस्य नहीं रहेंगे तभी वे इस समिति के सदस्य भी नहीं रहेंगे ।

(2) अवधि के बीच में रिक्त हुआ स्थान, सम्बन्धित सदस्यों के स्थान पर उसके पश्च पर आने वाले अधिकारी से भरा जायेगा । और यह अधिकारी तीन वर्ष की अवधि के बहावा काल के लिए सदस्य होगा ।

4. विविध

(1) समिति आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सदस्यों को सहयोगित कर सकेगी और अपनी बैठकों में भाग लेने के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकेगी अथवा उप-समितियां नियुक्त कर सकेगी ।

(2) समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा लेकिन समिति अपनी अन्य बैठकें किसी अन्य नगर में भी कर सकती है ।

5. यात्रा व अन्य भूता

समिति और इस समितियों की बैठकों में उपस्थित होने के लिए गैर सरकारी सदस्यों को भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दरों पर यात्रा और दैनिक भूता दिया जायेगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार और भारत सरकार के सभी मंत्रालय तथा विभागों को भेजी जाये ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये ।

बी० के० चतुर्दशी, मंयुक्त सचिव

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1987

संकल्प

सं० पी-३९०१४/१८६-विपणन—इस मंत्रालय के दिनांक 14 अगस्त, 1986 के सम-संज्ञक संकल्प के

झारा गठित समिति की कार्यविधि आगे 31 अगस्त, 1987 तक बढ़ाई जाती है, ताकि वह अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सके।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

अर्थविद वर्षा, संयुक्त सचिव

कृषि मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1987

सं० 48-124/86-भेड़—भारत के पारिस्थितिकीय दृष्टि से क्षीण प्रक्षेत्रों में भेड़ और बकरी पालन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक कृतक बल (टास्क फोर्स) गठित करने से संबंधित इस मंत्रालय के संकल्प सं० 48-124/86-भेड़ दिनांक 28 जनवरी, 1987 के क्रम में यह निश्चित किया गया है कि इस कृतक बल (टास्क फोर्स) की अवधि बड़ा दी जाए ताकि यह अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सके। तबनुसार, यह अब अपनी रिपोर्ट जून, 1987 के अन्त तक प्रस्तुत करेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि प्रस्ताव की एक-एक प्रति सभी सचिवों और सभी राज्य सरकारों के निदेशक पण्ड-पालन, संघ शासित अंतर्गतों के प्रशासनों और विभागों और भारत सरकार के मंत्रालयों, योजना अध्योग, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री के कार्यालय, सौक सभा सचिवालय और राज्य सभा सचिवालय को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह प्रस्ताव भारत सरकार के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाए।

के० एन० अर्द्धनारीश्वरन, अपर सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1987

सं० एफ-26-2/86-सी० एच० 3—यह स्पष्ट किया जाता है कि राष्ट्रीय बौद्ध अध्ययन सलाहकार समिति के अध्यक्ष, पदेन सबस्थों और सदस्य सचिव के अलावा, सदस्यों का कार्यकाल 1-4-1986 को समाप्त हो गया। भारत के राजपत्र के भाग-1, खंड 1 में प्रकाशित संकल्प सं० एफ 28-1/79-सी० एच०-3 दिनांक 16 अक्टूबर 1982 के पैरा (ग) (1) के अन्तर्गत उनके स्थान पर निम्नलिखित गैर-सरकारी सदस्यों को, राष्ट्रीय बौद्ध अध्ययन सलाहकार समिति को अगली बैठक की तारीख से अगले तीन वर्ष तक

की अवधि के लिए नामांकित किए जाने का निश्चय किया जाता है।

1. डा० महेश तिवारी,
सी 11/18, माडल टाउन,
दिल्ली-110009
2. प्रो० लालमणि खोशी,
अध्यक्ष, धार्मिक अध्ययन विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय
पटियाला, (पंजाब)
3. प्रो० एस० के० पाठक,
छात्र कल्याण के डीन,
भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग
विश्व भारती, शान्तीनिकेतन
(पश्चिम बंगाल)
4. डा० के० सचिवदातान्द्र मूर्ति,
उपाध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान अध्योग,
नई दिल्ली।
5. डा० गोविन्द चन्द्र पाण्डे,
अध्यक्ष, इलाहाबाद मंग्रहालय सोसायटी,
इलाहाबाद।
6. प्रो० लोकेश चन्द्र,
जे-22, हौज खास एनक्सेक्यू
नई दिल्ली।
7. डा० प्रताप चन्द्र,
अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग,
सागर विश्वविद्यालय,
सागर (मध्य प्रदेश)
8. डा० सी० आर० लामा,
रीडर और भारत-तिब्बती अध्ययन,
विभागाध्यक्ष,
विश्व-भारती विश्वविद्यालय,
शान्तिनिकेतन, पश्चिम बंगाल।
9. प्रो० तान-युन-शान,
चीन मन्दिर,
बौद्ध गया (बिहार)
10. प्रो० टी० आर० धी० मूर्ति,
46/ए, रवीन्द्रपुरी,
(नई कालोनी),
वाराणसी-220005 (उ० प्र०)

आर० सी० त्रिपाठी, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1987

संकल्प

सं० हिन्दी/समिति/87-41/4—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के दिनांक 8-4-87 के समसंधेपक संकल्प के क्रम में डा० लक्ष्मी नारायण द्वंदे, रीडर, हिन्दी विभाग,

आ० हरि सिंह, गंगर विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश) को रेल मंत्रालय में गठित रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति की रेलवे हिन्दी पुस्तक अनु उप समिति में सचिव के रूप में नामित किया जाता है।

प्रादेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति प्रधान मंत्री कार्यालय मंत्रिमंडल सचिवालय,

**LOK SABHA SECRETARIAT
(SCTC BRANCH)**

New Delhi-110001, the 26th May 1987

No. 3/1/SCTC/87.—The following Members of the Lok Sabha and Rajya Sabha have been elected to serve as Members of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the term beginning on the 1st May, 1987 and ending on the 30th April 1988.

Members—Lok Sabha

1. Shri Manoranjan Bhakta
2. Shri Bir Bal
3. Shri Somjibhai Damor
4. Shri Ganga Ram
5. Shri Manikrao Hodlya Gavil
6. Shri Maurice Kujur
7. Shri Kunwar Ram
8. Shri Lakshman Mallick
9. Shri Satyagopal Misra
10. Shri Arvind Netam
11. Shri Ram Pyare Panika
12. Dr. P. Vallal Peruman
13. Shri K. N. Pradhan
14. Shri Ram Ratan Ram
15. Dr. G. Vijaya Rama Rao
16. Shri Ajit Kumar Saha
17. Shri D. B. Shingda
18. Shri Ram Singh
19. Shri Ram Bahadur Singh
20. Shri R. P. Suman

Members—Rajya Sabha

21. Shrimati Omem Moyong Deori
22. Dr. Faguni Ram
23. Shri Ramnarayan Goswami
24. Shri H. Hanumanthappa
25. Shri Radhakishan Malaviya
26. Shri Murasoli Maran
27. Shri Dharam Chander Prashant
28. Shri Thindivanam K. Ramamurthy
29. Shri Sukhdev Prasad
30. Shri Suraj Prasad

2. The Speaker has been pleased to appoint Shri Ram Ratan Ram M.P. as the Chairman of the Committee.

N. N. MEHRA, Jt. Secy.

(P.U. BRANCH)

New Delhi-110001, the 1st June 1987

No. 4/1/PU/87.—The following members of the Lok Sabha and Rajya Sabha have been duly elected to serve as members of the Committee on Public Undertakings for the term beginning on 1 May 1987 and ending on 30 April, 1988 :—

Members of Lok Sabha

1. Shri Ananda Gajapathi Raju
2. Shri K. P. Singh Deo
3. Shri Dinesh Goswami
4. Shrimati Prabhawati Gupta

संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्राप्तिशील किया जाये।

सतीश मेहन वैष्ण, सचिव रेलवे बोर्ड

5. Prof. P. J. Kurien
6. Shrimati Geeta Mukherjee
7. Shri Damodar Pandey
8. Shri Keshorao Pardhi
- *9. Shri Vakkom Purushothaman
10. Shri K. H. Ranganath
11. Shri Harish Rawat
12. Shri A. C. Shanmugam
13. Shri Lal Vijay Pratap Singh
14. Prof. Saif-ud-din Soz
15. Shri Zainul Basher

Members of Rajya Sabha

16. Shri Jagesh Desai
17. Shri Valampuri John
18. Shri Krishna Nand Joshi
19. Shri Ram Naresh Kushawaha
20. Shri Chimanbhai Mehta
21. Shrimati Ratan Kumari
22. Shri Shanker Singh Vaghela

*Elected w.e.f. 7 May, 1987 vice Prof. Nirmala Kumari Shaktawat resigned from the Committee.

The Speaker has been pleased to appoint Shri Vakkom Purushothaman as Chairman of the Committee.

R. D. SHARMA, Chief Financial Committee Officer

CABINET SECRETARIAT

New Delhi, the 12th June 1987

RESOLUTION

Sus :—Promotion of Superconductivity Research and its application in the country.

No. 84/1/2/87-Cab.—The generation and transmission of electricity in bulk depends wholly on the manufacture and use of conductors. Electronics is wholly dependent on devices which transmit or impede the flow of current. If materials can be found or fabricated which can be made to lose their electrical resistance, a whole new industry with far reaching economic consequences can be visualised. Superconductivity is the physical phenomenon in which materials lose their electrical resistance when they are cooled below a certain temperature, called the superconducting critical temperature (Tc). The development of high Tc oxide materials in India has been made at various places. Ceramics being the main material is being tried out on other similar non-superconducting ceramic materials. However, the following items of work, including continuing high-quality, academic-institution-based, basic research, need to be done :—

- (i) Synthesis of these high-quality ceramic materials in bulk quantities.
- (ii) Making cables, wires and tapes out of these materials using the techniques mentioned above and to develop other techniques.
- (iii) Constructing prototype electro-magnets for use in electrical machines of various types.

(iv) Making super-conducting devices for a variety of electronic applications.

2. The work that needs to be done is heterogenous. It has, therefore, been decided with the approval of the Prime Minister to constitute an Apex Body to promote superconductivity research and its application in the country thereby underlining the political commitment to this just emerging area of Science and Technology. The terms of reference of the Apex Body would be as under :—

- (i) To make necessary budget provision;
- (ii) To take all steps for acquiring the services of personnel, both from within and outside the country as consultants, visiting scientists and to facilitate their operations within the country;
- (iii) To procure goods and services of all types including import without extensive paper work, permits and licences.
- (iv) To have civil works carried out including architectural designs etc.

3. Any of the above functions may be delegated by the Apex Body to the Programme Management Board, which is being constituted separately.

4. The Apex Body will consist of the following :—

- (1) Prime Minister.
- (2) Minister of Human Resource Development.
- (3) Minister of Finance.
- (4) Minister of State (Science & Technology).
- (5) Scientific Adviser to PM.
- (6) Chairman, SAC to PM.
- (7) Chairman, UGC.
- (8) Cabinet Secretary.
- (9) Finance Secretary.
- (10) Concerned Agency Heads (DAE, Defence Research and Development, Department of Science and Technology, DSIR, DOE).
- (11) Director, BARC.
- (12) Two eminent scientists.
- (13) Two eminent technologists/industrialists.

Member-Secretary

(14) Secretary, Department of Science and Technology.

5. The Apex Body shall be serviced by the Department of Science and Technology.

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries/Departments of the Government of India and all the State Governments/Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

RESOLUTION

Sub :—Promotion of Superconductivity Research and its application in the country.

No. 84/1/2/87-Cab(1).—The generation and transmission of electricity in bulk depends wholly on the manufacture and use of conductors. Electronics is wholly dependent on devices which transmit or impede the flow of current. If materials can be found or fabricated which can be made to lose their electrical resistance, a whole new industry with far reaching economic consequences can be visualised. Superconductivity is the physical phenomenon in which materials lose their electrical resistance when they are cooled below a certain temperature, called the superconducting critical temperature (T_c). The development of high T_c oxide materials in India has been made at various places. Ceramic being the main material is being tried out on other similar non-superconducting ceramic materials. However, the following items of work, including continuing high-quality, academic-institution based, basic research need to be done :—

- (1) Synthesis of these high-quality ceramic materials in bulk quantities.

- (ii) Making cables, wires and tapes out of these materials using the techniques mentioned above and to develop other techniques.

- (iii) Constructing prototype electro-magnets for use in electrical machines of various types.

- (iv) Making super-conducting devices for a variety of electronic applications.

2. The work that needs to be done is heterogenous. It has, therefore, been decided with the approval of the Prime Minister to constitute an Apex Body, orders regarding which are being issued separately. It has also been decided with the approval of the Prime Minister that there shall be a Programme Management Board consisting of the following :—

Chairman

- (1) Chairman, SAC to PM.
- (2) Finance Secretary.
- (3) The two eminent scientists, Members of the Apex Body.
- (4) The concerned Agency Heads as in the Apex Body.

Member-Secretary

- (5) Secretary, Department of Science & Technology.
3. The Secretariat and coordination will be provided by the Department of Science and Technology.

4. The Board would have such executive and financial powers as are necessary for pursuing the area of research, development, engineering by a number of scientific, technological and engineering institutions in the country.

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries/Departments of the Government of India and all the State Governments/Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. RAJAMANI, Addl. Secy.

PLANNING COMMISSION

(SOCIO-ECONOMIC RESEARCH UNIT)

New Delhi, the 1st June 1987

RESOLUTION

No. O.15011/1/82-SER.—Reference Planning Commission's Resolution No. O.15011/1/82-SER dated 18th September, 1985 and the subsequent amendment vide Resolution of even number dated the 22nd January, 1987.

2. The 'Composition of the Committee' may now be read as follows :

COMPOSITION

Chairman

1. Prof. S. Chakravarty, Planning Commission.

Members

2. Dr. Raja J. Chelliah, Member, Planning Commission.
3. Dr. Y. K. Alagh, Member, Planning Commission.
4. Dr. C. H. Hanumantha Rao, Institute of Economic Growth, Delhi.
5. Dr. A. M. Khusro, Chairman, National Institute of Public Finance & Policy, Special Institutional Area, New Delhi-110067.
6. Dr. C. Rangarajan, Dy. Governor, Reserve Bank of India, Bombay.
7. Dr. K. Krishnamurthy, Institute of Economic Growth, University Enclave, Delhi-7.
8. Prof. Iqbal Narain, Member Secretary, Indian Council of Social Sciences Research, 35, Ferozshah Road, New Delhi.
9. Dr. A. Bagchi, Director, National Institute of Public Finance & Policy, Special Institutional Area, New Delhi-110067.

10. Prof. A. Vaidyanathan, Madras Institute of Development Studies, Adyar, Madras-600029.
11. Dr. Pravin Visaria, Director, Gujarat Institute of Area Planning, Preetam Raj Marg, Ahmedabad-380006.
12. Prof. Yogendra Singh, Centre for the Study of Social Systems, Jawaharlal Nehru University, New Delhi-110067.
13. Prof. Victor S. D'Souza, National Fellow, Indian Council of Social Sciences Research (Address: 7, Amelia Apartments, Mount Carmel Road, Bandra, Bombay-400050).
14. Shri Nitin Desai, Special Secretary, Planning Commission.
15. Dr. P. C. Joshi, Adviser (International Economics), Planning Commission.
16. Dr. (Mrs.) R. Thamarajakshi, Adviser (Labour, Employment & Manpower), Planning Commission.
17. Dr. S. R. Hashim, Consultant (Perspective Planning), Planning Commission.
18. Dr. P. D. Mukherjee, Adviser (Financial Resources), Planning Commission.
19. Shri S. K. Govil, B-7/1 M.S. Flats, Sector XIII, R. K. Puram, New Delhi.

Member-Secretary

20. Dr. V. G. Bhatia, Adviser (Development Policy), Planning Commission.

3. The para 4 of the Resolution may be read as follows :

“4. Non-official members of the Committee will be entitled to travel by air. They will also be entitled to daily allowances for attending the meetings of the Committee as admissible to Grade-I officers of the Govt. of India which will also be paid by the Planning Commission.”

4. There is no change in the rest of the Resolution.

ORDER

ORDER that a copy of the Notification be communicated to all concerned and it be published in the Gazette of India for general information.

J. C. DANGWAL, Dir (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 29th April 1987

RESOLUTION

No. E-11011/10/75-Hindi(Vol.II).—Consequent on the change in the structure of the Ministry of Commerce, the Hindi Sahakar Samiti for the Ministry is reconstituted in supersession of Ministry of Commerce Resolution of even number dated 22nd July, 1985. Its composition etc. will be as given hereunder :—

Chairman

1. Minister of Commerce

Vice-Chairman

2. Minister of State for Commerce

Members of Parliamentary Committee on Official Language

Members

3. Shri V. Tulsiram, M.P.
4. Shri Ratnakar Pandey, M.P.
5. Shri Ajit Singh Dabhi, M.P.
6. Prof. P. J. Kurien, M.P.
7. Smt. Krishna Kaul, M.P.
8. Shri Ram Naresh Kushwaha, M.P.

Other Non-official Members—Hindi Scholars

9. Shri Satya Narayan Gupta, King Koti Road, Hyderabad.
10. Shri V. R. Jagannathan, Prof. & Centre Incharge, Kendriya Hindi Sansthan, Hyderabad
11. Shri M. Subramaniam, President, Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad, New Delhi.
12. Shri A. N. Mudgal, Editor, Sarika, The Times of India, New Delhi.
13. Km. Kusum Lata Mittal, Former Secretary, Department of Official Language, New Delhi.
Official (Department of Official Language)
14. Secretary (Department of Official Language & Hindi Adviser to the Government of India).
15. Joint Secretary, Department of Official Language.
Officials—Ministry of Commerce
16. Commerce Secretary.
17. Chief Controller of Imports & Exports.
18. Director General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta.
19. Chairman, State Trading Corporation of India, New Delhi.
20. Chairman, Minerals and Metal Trading Corporation of India, New Delhi.
21. Director, Export Inspection Council, New Delhi.
22. Chairman, Trade Fair Authority of India, New Delhi.
23. Executive Director, Trade Development Authority, New Delhi.
24. Director-General, Indian Institute of Foreign Trade, New Delhi.
25. Chairman, Tea Board, Calcutta.
26. Chairman, Coffee Board, Bangalore.
27. Chairman-cum-Managing Director, Export Credit & Guarantee Corporation, Bombay.
28. Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhi Dham.
29. Development Commissioner, Santa Cruz Electronics Export Processing Zone, Bombay.
30. Chairman, Indian Institute of Packaging, Bombay.
31. Chairman, Tobacco Board, Guntur.

32. Chairman,
Cardamom Board,
Cochin.

33. Chairman,
Rubber Board,
Kottayam.

34. Chairman,
Marine Products Export Development Authority,
Cochin.

35. Additional Secretary (Supply).

36. Joint Secretary (Supply).

37. Financial Adviser (Supply).

38. Director General
(Supplies & Disposals).

39. Chief Controller of Accounts,
(Department of Supply).

40. Director-General,
National Test House,
Calcutta.

41. Additional Director-General (Inspection),
Directorate General of Supply & Disposals.

Member-Secretary

42. Joint Secretary (Incharge Hindi Work),
Ministry of Commerce.

(2) Function

The function of the Samiti will be to advise the Ministry on matters relating to the progressive use of Hindi for official purposes.

(3) Tenure

The term of the Samiti will be three years from the date of its formation, provided that,

(1) A Member of Parliament nominated to the Samiti shall cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament.

(2) Any mid-term vacancy shall be filled up by the concerned Member's successor in Office, who shall be a Member for the residue of the term of three years.

(4) General

(1) The Committee may coopt additional members and invite experts to attend its meeting or appoint sub-committees as may be deemed necessary.

(2) Headquarters of the Samiti will be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

(5) Travelling and other Allowances

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meeting of the Samiti and the Sub-committees of the Samiti at the rates fixed by the Government of India from time to time.

ORDER

ORDERED that copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Ralva Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India A.G.C.R. and all Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. K. CHATURVEDI, Jt. Secy.

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 2nd June 1987

RESOLUTION

No. P-39014/1/86-MKT.—The term of the Committee set up vide this Ministry's Resolution of even number dated August 14, 1986 is further extended upto August 31, 1987 for giving its report.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ARVIND VARMA, Jt. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE DEPTT. OF AGRL. & COOPERATION

New Delhi, the 4th June 1987

RESOLUTION

No. 48-124/86-Sheep.—In continuation to this Ministry's resolution No. 48-124/86-Sheep dated 28th January, 1987, constituting a task force to evaluate the impact of Sheep and goat rearing in the ecologically fragile zones of India, it is resolved to grant an extension of period to this task force for submitting its report. Accordingly, it will now submit its report by the end of June 1987.

ORDER

ORDERED that copy of this Resolution be communicated to all the Secretaries and Directors of Animal Husbandry in the State Governments, Administrations of Union Territories and Departments and the Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. N. ARDHANARESEWARAN, Addl. Secy.

**MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPARTMENT OF CULTURE)**

New Delhi the 5th June 1987

No. F. 26-2/86-CH.3.—This is to state that the term of office of the members, excluding the Chairman ex-officio members and the Member Secretary, of the National Advisory Committee on Buddhist Studies expired on 1-4-1986. It is hereby resolved to nominate the following non-official members in their place for a period of three years from the date of the next meeting of the National Advisory Committee on Buddhist Studies, in terms of para (c)(i) of the Resolution No. F. 28-I/79-CH.3 dated 16th October, 1982 published in Part I Section 1 of the Gazette of India —

1. Dr. Mahesh Tiwari,
CH/18, Model Town,
Delhi-110009.
2. Prof. Lalmani Joshi,
Head, Department of Religious Studies,
Panjab University,
Patiala, (Punjab).
3. Prof. S. K. Pathak,
Dean of Students Welfare,
Department of Indo-Tibetan Studies,
Biswa Bharati,
Santiniketan (West Bengal).
4. Dr. K. Satchindananda Murty,
Vice-Chairman, U.G.C.,
New Delhi.
5. Dr. Govind Chandra Pande,
Chairman, Allahabad Museums Society,
Allahabad.
6. Prof. Lokesh Chandra,
J-22, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

7. Dr. Pratap Chandra,
Head, Department of Philosophy,
University of Saugar,
Saugar (Madhya Pradesh).
8. Dr. C. R. Lama,
Reader and Head of the Department
of Indo-Tibetan Studies,
Viswa-Bharati University,
Santiniketan, West Bengal.
9. Prof. Tan-Yun-Shan,
China Mandir,
Bodh Gaya (Bihar).
10. Prof. T. R. V. Murti,
46/A, Ravindrapuri,
(New Colony),
Varanasi-220005 (U.P.).

R. C. TRIPATHI, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 9th June 1987

RESOLUTION

No. Hindi/Samiti/87/41/4.—In continuation to Ministry of Railways' (Railway Board) resolution of even number dated 8-4-87 Dr. Laxmi Narayan Dubey, Reader, Hindi Deptt. Dr. Hari Singh Gaur University, Sagar, (M.P.) is nominated as a member of Railway Books Selection Sub-Committee of the Railway Hindi Sahakar Samiti constituted under Ministry of Railways.

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Sectt. and Ministries and Departments of Government of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. M. VAISH, Secy. Railway Board.

